



बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण



ईमानदारी, मेहनत, धैर्य और भाईचारा। आपदा के समय भी यही है सहारा॥

वज्रपात/ठनका

सामान्यतया मानसून पूर्व एवं मानसून की बारिश के समय प्रायः आसमान में बिजली कड़कती/चमकती है तथा आसमानी बिजली/वज्रपात/ठनका गिरने से आमजन प्रभावित होते हैं। ठनका गिरने से जन-धन को होने वाली हानि से बचाव के दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि हम ठनका से बचने के लिए योड़ी सावधानी बरतें।

वज्रपात (ठनका) से बचाव के उपाय

क्या करें :-

- यदि आप खुले में हों तो शीघ्रातिशीघ्र किसी पक्के मकान में शरण लें।
- सफर के दौरान अपने वाहन में ही बने रहें।
- खिड़कियाँ, दरवाजे, बरामदे एवं छत से दूर रहें।
- ऐसी वस्तुएँ, जो बिजली की सुचालक हैं, उनसे दूर रहें।
- बिजली के उपकरणों या तार के साथ संपर्क से बचें व बिजली के उपकरणों को बिजली के संपर्क से हटा दें।
- तालाब और जलाशयों से भी दूरी बनाये रखें।
- समूह में न खड़े हों, बल्कि अलग-अलग खड़े रहें।
- यदि आप जंगल में हो तो छोटे एवं घने पेड़ों की शरण में चले जायें।
- बाहर रहने पर धातु से बनी वस्तुओं का उपयोग न करें। बाइक, बिजली या टेलीफोन का खभा, तार की बाढ़, मशीन आदि से दूर रहें।
- धातु से बने कृषि यंत्र- डंडा आदि से अपने को दूर कर दें।
- स्थानीय रेडियो, अन्य संचार साधनों से मौसम की जानकारी प्राप्त करते रहें।
- यदि आप खेत खलिहान में काम कर रहे हों और किसी सुरक्षित स्थान की शरण न ले पायें हों तो –
 (क) जहां हैं वहीं रहें, हो सके तो पैरों के नीचे सूखी चीजें जैसे- लकड़ी, प्लास्टिक, बोरा या सूखे पत्ते रख लें।
 (ख) दोनों पैरों को आपस में सटा लें एवं दोनों हाथों को घुटनों पर रख कर अपने सिर को जमीन के तरफ यथा संभव झुका लें तथा सिर को जमीन से न सटाएं।
 (ग) जमीन पर कदापि न लेटें।
- ठनका के मामले में मृत्यु का तात्कालिक कारण हृदयाघात है। अगर जरूरी हो तो “हृदय पुनर्जीवन क्रिया, प्राथमिक चिकित्सा” (Cardiopulmonary Resuscitation (CPR)) प्रारंभ कर दें।
- “हृदय पुनर्जीवन क्रिया, प्राथमिक चिकित्सा” (Cardiopulmonary Resuscitation (CPR)) देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रभावित व्यक्ति के शरीर से विद्युत का प्रभाव न हो रहा हो।

क्या न करें :-

- ऊँची इमारत वाले क्षेत्रों में शरण नहीं लें।
- साथ ही बिजली एवं टेलीफोन के खंभों के नीचे कदापि शरण नहीं लें, क्योंकि उँचे वृक्ष, ऊँची इमारतें एवं टेलीफोन/बिजली के खंभे आसमानी बिजली को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।
- पैदल जा रहे हों तो धातु की डंडी वाले छातों का उपयोग न करें।
- खुले आकाश में रहने को बाध्य हों तो नीचे के स्थलों को चुने। एक साथ कई आदमी इकट्ठे न हों। दो लोगों के बीच की दूरी कम-से-कम 15 फीट हो।
- यदि घर में हों तो पानी का नल, फिज, टेलीफोन आदि को न छूएँ।



जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नालंदा